कक्षा : 4

हिंदी (प्रथम भाषा)

मौखिक अभिव्यक्ति :

विद्यार्थी में निम्नलिखित योग्यताओं का विस्तार करना:

1 भाषा के सुन्दर और शिष्ट रूप का प्रयोग:

2 स्कूल या किसी अन्य सभा में भाषण करना:

3 कहानी, चुटकले सुना सकना और पहेलियाँ डालनी तथा उनके उत्तर देना:

4 स्कूल, गाँव या कस्बे में घटित घटनाओं को वर्णित करना:

5 प्रभावशाली ढंग से कविता पाठ करना:

6 सरल वार्तालाप या भाषण मुकाबलों में भाग लेना:

7 जीवन की साधारण झाँकियों की नकल उतारनी या छोटे-छोटे नाटकों में अभिनय करना:

8 उचित गति और बोली के बीच ठहराव, बल, हाव-भाव, आदि का सही प्रयोग और बोलते समय मानक बोली का प्रयोग।

पढ़ाई :

विद्यार्थी में निम्नलिखित योग्यताओं का विस्तार करना:

1 सही उच्चारण और बढ़िया ढंग से पाठ्य-पुस्तक में से वार्ता और कविता के अंशों को बोलकर पढ़ना:

2 चुपचाप उचित / तीव्र गति और ठीक समझ से पढ़ना:

3 दो पूरक-रीडर पढ़ना। रुचि के समाचार-पत्र तथा बालकों के लिए लिखी गई पुस्तकों आदि को पढ़ने के प्रति प्रेरित होना:

4 पहले सीखे हुए शब्दों के अतिरिक्त 200 से 250 तक नए शब्द सीखना। बच्चों को शब्दकोश प्रयोग के लिए प्रेरित करना।

लिखाई : विद्यार्थी में निम्नलिखित योग्यताओं का विस्तार करना :

1 श्रुतलेख लिखने के योग्य हो सके:

2 पढ़े हुए पाठ से साधारण प्रश्नों के उत्तर दे सके:

3 कविता की पंक्तियाँ पूरी कर सके।

4 पाठ में आए कठिन शब्दों के अर्थ लिख सके।

5 संक्षिप्त वाक्य बना सके।

6 मुहावरों का प्रयोग कर सके

7 व्यावहारिक व्याकरण

8 चित्र देख कर समझ अनुसार वाक्य लिखना

9 अपने शब्दों में सरल कहानियाँ लिख सके, दो मित्र और भालू, लालची कुत्ता, प्यासा कौआ, दो बकरियाँ

10 माता-पिता, मित्रों और रिश्तेदारों को साधारण पत्र लिखने के योग्य हो तथा इनमें:

(क) पता और पत्र लिखने की तारीख

(ख) पता लिखने की विधि,

(ग) पत्र लिखने की विधि

(घ) पत्र के विषय में आरम्भ, विस्तार, पत्र का अन्त आदि स्पष्ट रूप में समझ सके।

पत्र

1) बीमारी के कारण स्कूल के अध्यापक / मुख्याध्यापक / प्रधान अध्यापक को प्रार्थना पत्र।
2) कोई ज़रूरी काम होने के कारण स्कूल से अवकाश लेने के लिए प्रार्थना पत्र।
3) मित्र / सहेली को जन्म दिन की बधाई देते हुए पत्र।
4) मित्र / सहेली को अपने जन्म दिन पर निमंत्रण पत्र।

11 घर, परिवार, स्कूल, मित्र /रिश्तेदार से सम्बन्धित छोटा सा लेख लिख सकें:

लेख

मेरा मित्र, मेरा प्रिय अध्यापक, मेरा स्कूल, मेरे घर का बगीचा, मेरी माँ

पाठ्य-पुस्तक : हिंदी पुस्तक-4
(पंजाब स्कूल शिक्षा बोर्ड द्वारा प्रकाशित)

कक्षाः चौथी
हिंदी (द्वितीय भाषा)
(चौथी कक्षा के लिए)

इस स्तर पर भाषा-शिक्षण का यह उद्देश्य होना चाहिए कि बालक को प्राइमरी के पाँचवें वर्ष के अन्त तक हिंदी (द्वितीय भाषा) की पढ़ाई द्रुत-गति से प्राप्त करने की प्रेरणा दी जाये तथा अपने आपको अभिव्यक्त करने का सुअवसर प्रदान किया जाए। इस उद्देश्य की प्राप्ति के लिए निम्नलिखित बातों को ध्यान में रखना आवश्यक है:-

मौखिक अभिव्यक्तिः

विद्यार्थी में ऐसी योग्यता का विस्तार करना जिससे वहः

1. हिंदी की सभी ध्वनियों की चित्र देखकर पहचान कर सकेः
2. हिंदी की मिलती-जुलती ध्वनियों की पहचान कर सकेः
3. हिंदी और पंजाबी की ध्वनियों की समानता और विभिन्नता की पहचान कर सकेः
4. हिंदी की मात्राओं की तुलना पंजाबी की मात्राओं के साथ कर सकेः
5. पंजाबी में प्रयोग होने वाली बिन्दी (ं) और टिप्पी (ँ) के स्थान पर हिंदी में अनुस्वार और अनुनासिक का प्रयोग कर सकेः
6. हिंदी में दिए गए मौखिक निर्देशों को समझ सकेः
7. अपने परिवेश/पर्यावरण की जानकारी प्राप्त कर सकेः
8. घर और समाज में विचरते हुए नैतिक मूल्यों जैसे : प्रेम, सहानूभूति, आदर, परिश्रम आदि की पहचान कर सकेः
9. चित्र देखकर बात कर सकेः
10. समूह में या व्यक्तिगत रूप से हाव-भाव के साथ कविता का उच्चारण कर सके।

पढ़ाईः

विद्यार्थी में ऐसी योग्यता का विस्तार करना जिससे वहः

1. चित्र देखकर हिंदी वर्णमाला पढ़ सकेः
2. निर्धारित पाठ्य-पुस्तक में शब्दों और वाक्यों को स्पष्ट रूप से पढ़ सकेः
3. अपने परिवेश से नये शब्द पढ़ सकेः

लिखाईः

विद्यार्थी में ऐसी योग्यता का विस्तार करना जिससे वहः

1. देवनागरी लिपि के चिह्नों के सही रूप व आकार की जानकारी प्राप्त कर सकेः
2. हिंदी पंजाबी शब्दों की समानता एवं भिन्नता को समझकर हिंदी शब्दों को लिख सकेः
3. गुरुमुखी लिपि में दिये गये वाक्यों को देवनागरी लिपि में लिख सकेः

4. सरल शब्दों एवं संक्षिप्त वाक्यों की प्रतिलिपि और श्रुतलेख लिख सके:

5. बहुत छोटे-छोटे वाक्य बना सके:

6. दिए गए शब्दों का प्रयोग करते हुए कुछ वाक्य / गद्यांश पूरा कर सकें:

पाठ्य-पुस्तक : आओ हिंदी सीखें -4

(पंजाब स्कूल शिक्षा बोर्ड द्वारा प्रकाशित)